पाठ 6

ओमना का सफ़र

ओमना और उसकी पक्की सहेली राधा बहुत खुश थीं। वे साथ-साथ ट्रेन से केरल जो जा रही थीं। ओमना जा रही थी अपनी नानी के घर और राधा अपने परिवार के साथ छुट्टियाँ मनाने। ओमना के अप्पा ही गए थे, दोनों परिवारों के लिए टिकट बुक कराने।

सफ़र से दो दिन पहले ही राधा साइकिल से गिर गई और उसके दाएँ पैर की हड्डी टूट गई। डॉक्टर ने छह हफ़्तों के लिए उसकी दाईं टाँग पर पलस्तर चढ़ा दिया और चलने-फिरने के लिए भी मना कर दिया। राधा के परिवार को अपनी टिकटें रद्द करानी पड़ीं। राधा और ओमना बहुत उदास हो गईं। कितनी तैयारी की थी, दोनों ने मिलकर। राधा की माँ ने एक उपाय सुझाया। उन्होंने ओमना से कहा, "तुम अपने पूरे सफ़र की बातें डायरी में लिखती रहना। जब तुम वापिस आओगी, तब राधा तुम्हारी डायरी पढ़ लेगी। इससे तुम कोई बात भूलोगी नहीं और सफ़र में तुम्हारा समय भी अच्छा बीतेगा।"

दोनों सहेलियों को यह बात अच्छी लगी। ओमना ने सफ़र में अपने साथ एक कॉपी रख ली और रास्ते की सभी बातें लिखती रही। ओमना की डायरी के कुछ पन्ने तुम भी पढ़ो।
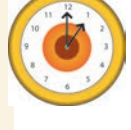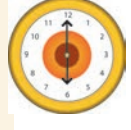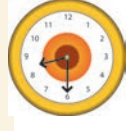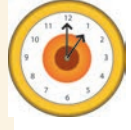
ओमना की डायरी

16 मई

दोपहर का समय था। स्टेशन पर पहुँचते ही हमने सबसे पहले अपने नाम 'रिज़र्वेशन चार्ट' में देखे। जल्दी ही ट्रेन प्लेटफ़ॉर्म पर आ पहुँची। हमने देखा कि ट्रेन तो पहले से ही भरी हुई थी। आज सुबह-सुबह ही यह ट्रेन गाँधीधाम, कच्छ से चली थी। ट्रेन के पहुँचते ही हलचल-सी मच गई। एक ही दरवाज़े से कुछ लोग उतर रहे थे, तो कुछ चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे।

हम भी जैसे-तैसे चढ़ ही गए और अपनी सीट ढूँढ़कर अपना सामान सीट के नीचे रख दिया। ट्रेन के चलने से पहले सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठ चुके थे। कुछ देर बाद टिकट-चेकर आया और उसने सभी की टिकटें देखीं। वह यह देख रहे थे कि सभी ठीक सीटों पर बैठे हैं या नहीं। अम्मा और अप्पा को नीचे वाली बर्थ मिली, उन्नी और मुझे बीच वाली। सबसे ऊपर वाली बर्थ पर कॉलेज के

दो लड़के हैं। पास ही बैठे परिवार के दोनों बच्चे हमारे जितने ही लग रहे हैं। मैं उनसे बात ज़रूर करूँगी, पर थोड़ी देर बाद।

मैं अब खिड़की के पास बैठी यह सब लिख रही हूँ। अम्मा ने खाने का डिब्बा खोल लिया है। ढोकला, चटनी, नींबू वाले चावल और मिठाई–कितनी सारी चीज़ें लाई हैं अम्मा! मेरे मुँह में तो पानी आ रहा है। बाकी बातें अब बाद में ही लिखूँगी।

- ट्रेन के डिब्बे के दरवाज़े पर धक्का-मुक्की क्यों हो रही थी?

- क्या तुमने कभी ट्रेन में सफ़र किया है? कब?

- अगर तुम सफ़र पर जाओ, तो खाने-पीने का क्या-क्या सामान ले जाना पसंद करोगे? क्यों?

- टिकट-चेकर के क्या-क्या काम होते हैं?

- तुम टिकट-चेकर को कैसे पहचानोगे?

16 मई

दोपहर का खाना खाकर कुछ लोग सो गए, पर मुझे नींद नहीं आई। मैं खिड़की से बाहर देखती रही। यहाँ बाहर सूखे, भूरे मैदान दिखाई पड़े। कहीं-कहीं छोटे-छोटे गाँव भी दिखे। लग रहा था, जैसे सभी भाग रहे हैं। पता है, जब ट्रेन इतनी तेज़ी से चलती है, तो बाहर की सभी चीजें उलटी दिशा में भागती दिखाई देती हैं!
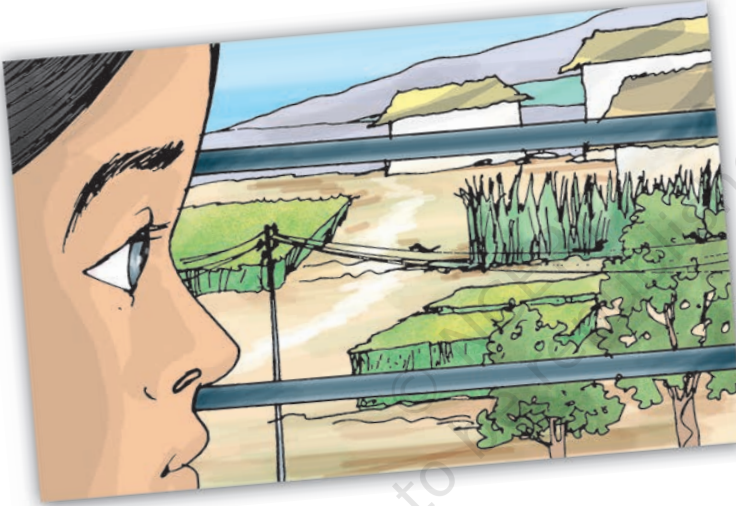
कुछ समय पहले बहुत गर्मी थी। अब शाम हो गई है और हलकी-हलकी हवा चल रही है।

बाहर आसमान संतरी रंग का दिखाई दे रहा है, सूरज जो डूब रहा है। मैंने अहमदाबाद में कभी डूबते सूरज पर ध्यान ही नहीं दिया!

हम अभी-अभी वलसाड़ स्टेशन से निकले हैं। वहाँ ट्रेन दो ही मिनट के लिए रुकी थी। स्टेशन पर खाने-पीने की चीज़ें बेचने वालों का बहुत शोर था– "चाय! गरम, चाय!",

एक तरफ़ से आवाज़ आ रही थी, "बटाटा-वड़ा! बटाटा-वड़ा!, पूरी-साग!", "दूध! ठंडा, दूध!" लोग प्लेटफ़ॉर्म पर खाने की चीज़ें खरीद और बेच रहे थे। हमने तो खिड़की से ही केले और चीकू खरीद लिए थे।

- ओमना ने खिड़की से बाहर क्या देखा?

____

____

- रेलवे स्टेशन पर क्या-क्या चीज़ें बिकती हैं?

_______ _______ _______ _______

_______ _______ _______ _______

_______ _______ _______ _______

16 मई

मैंने साथ बैठे बच्चों से दोस्ती कर ली है। वे हैं–सुनील और एन। वे अपनी दादी के घर कोज़ीकोड जा रहे हैं। सुनील ने मुझे कहानी की कुछ किताबें पढ़ने को दीं।

मैं थोड़ी देर पहले बाथरूम में हाथ-मुँह धोने गई थी, पर वहाँ पानी खत्म हो गया था। किसी ने कहा कि अब पानी अगले स्टेशन पर ही भरा जाएगा।

अध्यापक के लिए–गाँधीधाम, अहमदाबाद और वलसाड़ गुजरात में हैं। कोज़ीकोड केरल में है। बच्चों को नक्शे पर गुजरात और केरल दिखाने से उन्हें यह बात समझने में आसानी होगी कि यह सफ़र बहुत लंबा है।

- ट्रेन के बाथरूम में पानी खत्म क्यों हो गया? चर्चा करो।
- कल्पना करो कि अब तुम्हें ट्रेन में एक लंबे सफ़र पर जाना है। तुम अपने साथ मनोरंजन के लिए क्या-क्या सामान ले जाना चाहोगे?
- चित्रों को पहचान कर लिखो, रेलवे स्टेशन पर ये लोग क्या काम करते हैं? चर्चा करो।

अध्यापक के लिए—रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर व ऑनलाइन रेलवे टिकट बुक करने के तरीकों पर चर्चा करें। वेबलिंक http://www.com.indianrailways.gov.in/crism/home.seam का प्रयोग करें।